“Education for Knowledge, Science and Culture”
-Shiksahnmaharshi Dr. Bapuji Salunkhe

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR
(AN EMPOWERED AUTONOMOUS INSTITUTE)
INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL
2025-26
Samiksha Lekhan Competition

1. **Name of Department** : **हिंदी (**Hindi**)**

2. **Name of Organized Activity** : **समीक्षा लेखन प्रतियोगीता**

3. **Date/ Duration** : 18/09/2025

4. **Aims and Objectives** : 1. समीक्षा लेखन प्रक्रिया से छात्रों अवगत कराना।
2. कलात्मक और वैचारिक लेखन की बरीकियों को समझाना।

5. **No. of beneficiaries** : **Total = 18**

Teachers		02
Students	Male	04
	Female	12

6. **Expenditure & funding agency**: --

7. **Brief description**: कलात्मक लेखन प्रक्रिया से छात्रों अवगत कराने हेतु समीक्षा लेखन प्रतियोगीता कराई गई। महाविद्यालय के सभी छात्रों के लिए यह प्रतियोगीता थी जिसमें छात्रों ने बडचढ कर हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य कलात्मक लेखन प्रक्रिया से छात्रों को परिचित कराते हुए वैचारिक लेखन के साथ छात्रों की सोच का पता करना था। इस प्रतियोगीता में सफल हुए छात्रों को पुरस्कृत कर उन्हें प्रोस्ताहित किया गया।

8. **Outcomes** :1. समीक्षा लेखन प्रक्रिया से छात्र परिचित हुए।
2. छात्रों की योग्यता का पता चला।
3. कलात्मक और वैचारिक लेखन के लिए छात्र कितने तैयार हैं पता चला।

9. **Photos** : सलग्न (Attached photos)

10. **Signatures of coordinator/ organizer**: **डॉ. आरिफ शौकत महात**
डॉ. दीपक रामा तुपे

शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापूर संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

हिंदी विभाग, आय.क्यू.ए.सी.

और शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में

शैक्षणिक वर्ष 2025-26

दि. 09.09.2025

सूचना

महाविद्यालय के वरिष्ठ विभाग के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है हिंदी विभाग की ओर से दि.14 सितंबर, 2025 से 23 सितंबर, 2025 तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया है। हिंदी सप्ताह में निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जो छात्र प्रतियोगिताओं मे शामिल होना चाहते है वे अधिक जानकारी के लिए डॉ. आरिफ महात और डॉ. दीपक तुपे से संपर्क करे। प्रतियोगिताओं में विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया जायेगा और प्रतिभागी छात्रों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

संपर्क : 1) डॉ. आरिफ महात - 9860857089 2) डॉ. दीपक तुपे - 8805282610

विदयार्थी प्रतिनिधि : कु. नाझिया नदाफ, श्री चैतन्य मछले, कु.महेक मुल्लाणी

अ.क्र	तिथि	स्पर्धा का नाम	विषय	रुम नं.
1	16.09.2025	निबंध प्रतियोगिता	1) भारतीय युवा कल और आज 2) महिला सशक्तीकरण 3) हिंदी भाषा महत्व् और राष्ट्रीय एकता 4) शिक्षणमहर्षि डॉ.बापूजी साळुंखे: जीवन और कार्य 5) कृत्रिम बुध्दीमता (AI) शाप या वरदान	213 समय सुबह 11 बजे
2	17.09.2025	काव्यवाचन प्रतियोगिता	स्वरचित या किसी एक कविता वाचन करना है। प्रस्तुति 5 मिनिट से अधिक ना हो	213
3	18.09.2025	समीक्षा लेखन प्रतियोगिता	किसी एक किताब , खेल, नाटक और फिल्म् की समीक्षा लिखना है। शब्दसीमा 700 से अधिक हो ।	213
4.	20.09.2025	विज्ञापन / पोस्टर प्रतियोगिता	किसी एक वस्तु / प्रोडक्ट का विज्ञापन शब्दचित्रों के माध्यम से तैयार कीजिए। किसी एक विषयपर पोस्टर तैयार कीजिए।	213
5	23.09.2025	हिंदी दिवस समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण	मान्यवरों के हाथों	201

डॉ. आरिफ महात

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

डॉ. आर. आर. कुंभार
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

Scanned with OKEN Scanner

Jr. College Recog.No. H.S.C./ 1074/R-1/DT : 8-8-1976
Jr. College Code No. 23-09-002
Jr. College Udise No. 27341301006
AISHE Code : C-11059

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"
-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Estd.: June 1964

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेचे

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

२१३०,ई,वॉर्ड,ताराबाई पार्क, कोल्हापूर, ता. करवीर, जि. कोल्हापूर - ४१६००३
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर संलग्नित
नॅक मानांकन : "A+" (सी.जी.पी.ए.-३.२९)
कॉलेज उईथ पोटेन्शियल फॉर एक्सलन्स, यु.जी.सी., न्यु दिल्ली
स्टार कॉलेज - डी.बी.टी. - भारत सरकार
आय. एस ओ . ९००१:२०१५

Ph. : 0231-2658612 | Fax : 0231-2658840 | Resi.: 0231-2653962 | Website :www.vivekanandcollege.ac.in | E-mail :info@vivekanandcollege.org

संस्थापक डॉ. बापूजी साळुंखे D.Lit. | अध्यक्ष मा. ना. चंद्रकांत दादा पाटील उच्च व तंत्र शिक्षण व संसदीय कार्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य | कार्याध्यक्ष प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे M.A. | सचिव प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे M.Sc.,B.Ed. | प्राचार्य डॉ. आर.आर. कुंभार M.Sc.,M.Phil.,Ph.D.

जावक क्रमांक व्हि.सी.के. / समक्ष / 2025-26

दिनांक : 14/9/2025

सेवा में
श्री विश्वंभर कुलकर्णी
अध्यक्ष, ज्युनिअर हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

विषय : समीक्षा लेखन प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में उपस्थित रहने हेतु ।

महोदय,

हमारे महाविद्यालय में दि. 14 सितंबर, 2025 से 24 सितंबर, 2025 हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस सप्ताह में दिनांक 18 सितंबर, 2025 को सुबह 10.00 बजे **समीक्षा लेखन** प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में उपस्थित रहने कृपा करें। उम्मीद है कि आप हमारा निमंत्रण स्वीकार कर छात्रों को मार्गदर्शन करें ।

धन्यवादसहित ।

भवदीय,

(डॉ. ए. एस. महात)
विभाग प्रमुख
हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

(डॉ.आर. आर. कुंभार)
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

E:Hindi dept\2223\small leter.

Scanned with OKEN Scanner

Jr. College Recog.No. H.S.C./ 1074/R-1/DT : 8-8-1976
Jr. College Code No. 23-09-002
Jr. College Udise No. 27341301006
AISHE Code : C-11059

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"
-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Estd.: June 1964

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेचे

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

२१३०,ई,वॉर्ड,ताराबाई पार्क, कोल्हापूर, ता. करवीर, जि. कोल्हापूर - ४१६००३
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर संलग्नित
नॅक मानांकन : "A+" (सी.जी.पी.ए.-३.२९)
कॉलेज उईथ पोटेन्शियल फॉर एक्सलन्स, यु.जी.सी., न्यु दिल्ली
स्टार कॉलेज – डी.बी.टी. – भारत सरकार
आय. एस ओ . ९००१:२०१५

Ph. : 0231-2658612 | Fax : 0231-2658840 | Resi.: 0231-2653962 | Website :www.vivekanandcollege.ac.in | E-mail :info@vivekanandcollege.org

संस्थापक डॉ. बापूजी साळुंखे D.Lit. | अध्यक्ष मा. ना. चंद्रकांत दादा पाटील उच्च व तंत्र शिक्षण व संसदीय कार्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य | कार्याध्यक्ष प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे M.A. | सचिव प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे M.Sc.,B.Ed. | प्राचार्य डॉ. आर.आर. कुंभार M.Sc.,M.Phil.,Ph.D.

जावक क्रमांक व्हि.सी.के. / समक्ष / 2025 - 26

दिनांक : 18 / 9 / 2025

सेवा में
श्री विश्वंभर कुलकर्णी
अध्यक्ष, ज्युनिअर हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

विषय : कृतज्ञता ज्ञापन . . . ।

महोदय,

हमारे महाविद्यालय में दि. 14 सितंबर, 2025 से 24 सितंबर, 2025 हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस सप्ताह में दिनांक 18 सितंबर, 2025 को सुबह 10.00 बजे **समीक्षा लेखन** प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में उपस्थित रहें। अत: महाविद्यालय का हिंदी विभाग आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हैं।

धन्यवादसहित ।

भवदीय,

(डॉ. ए. एस. महात)
विभाग प्रमुख
हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

(डॉ.आर. आर. कुंभार)
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

E:Hindi dept\2223\small leter.

Scanned with OKEN Scanner

Jr. College Recog.No. H.S.C./ 1074/R-1/DT : 8-8-1976
Jr. College Code No. 23-09-002
Jr. College Udise No. 27341301006
AISHE Code : C-11059

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"
-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Estd.: June 1964

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेचे

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

२१३०,ई,वॉर्ड,ताराबाई पार्क, कोल्हापूर, ता. करवीर, जि. कोल्हापूर - ४१६००३
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर संलग्नित
नॅक मानांकन : "A+" (सी.जी.पी.ए.-३.२१)
कॉलेज उईथ पोटेन्शियल फॉर एक्सलन्स, यु.जी.सी., न्यु दिल्ली
स्टार कॉलेज - डी.बी.टी. - भारत सरकार
आय. एस ओ . ९००१:२०१५

Ph. : 0231-2658612 | Fax : 0231-2658840 | Resi.: 0231-2653962 | Website :www.vivekanandcollege.ac.in | E-mail :info@vivekanandcollege.org

संस्थापक	अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	सचिव	प्राचार्य
डॉ. बापूजी साळुंखे D.Lit.	मा. ना. चंद्रकांत दादा पाटील उच्च व तंत्र शिक्षण व संसदीय कार्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य	प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे M.A.	प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे M.Sc.,B.Ed.	डॉ. आर.आर. कुंभार M.Sc.,M.Phil.,Ph.D.

जावक क्रमांक व्हि.सी.के. / समक्ष / 2025-26

दिनांक : 14/9/2025

सेवा में
सौ. एस. पी. वेदांते
ज्युनिअर हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

विषय : समीक्षा लेखन प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में उपस्थित रहने हेतु ।

महोदया,

हमारे महाविद्यालय में दि. 14 सितंबर, 2025 से 24 सितंबर, 2025 हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस सप्ताह में दिनांक 18 सितंबर, 2025 को सुबह 10.00 बजे **समीक्षा लेखन** प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में उपस्थित रहने कृपा करें। उम्मीद है कि आप हमारा निमंत्रण स्वीकार कर छात्रों को मार्गदर्शन करें ।

धन्यवादसहित ।

भवदीय,

(डॉ. ए. एस. महात)
विभाग प्रमुख
हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

(डॉ.आर. आर. कुंभार)
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

E:Hindi dept\2223\small leter.

Scanned with OKEN Scanner

Jr. College Recog.No. H.S.C./ 1074/R-1/DT : 8-8-1976
Jr. College Code No. 23-09-002
Jr. College Udise No. 27341301006
AISHE Code : C-11059

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"
-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Estd.: June 1964

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेचे

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

२१३०,ई.वॉर्ड,ताराबाई पार्क, कोल्हापूर, ता. करवीर, जि. कोल्हापूर - ४१६००३
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर संलग्नित
नॅक मानांकन : "A+" (सी.जी.पी.ए.-३.२१)
कॉलेज उईथ पोटेन्शियल फॉर एक्सलन्स, यु.जी.सी., न्यु दिल्ली
स्टार कॉलेज - डी.बी.टी. - भारत सरकार
आय. एस ओ . ९००१:२०१५

Ph. : 0231-2658612 | Fax : 0231-2658840 | Resi.: 0231-2653962 | Website :www.vivekanandcollege.ac.in | E-mail :info@vivekanandcollege.org

संस्थापक	अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	सचिव	प्राचार्य
डॉ. बापूजी साळुंखे D.Lit.	मा. ना. चंद्रकांत दादा पाटील उच्च व तंत्र शिक्षण व संसदीय कार्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य	प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे M.A.	प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे M.Sc.,B.Ed.	डॉ. आर.आर. कुंभार M.Sc.,M.Phil.,Ph.D.

जावक क्रमांक व्हि.सी.के. / समक्ष / 2025-26

दिनांक : 18/9/2025

सेवा में
सौ. एस. पी. वेदांते
ज्युनिअर हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

विषय : कृतज्ञता ज्ञापन . . . ।

महोदया,

हमारे महाविद्यालय में दि. 14 सितंबर, 2025 से 24 सितंबर, 2025 हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस सप्ताह में दिनांक 18 सितंबर, 2025 को सुबह 10.00 बजे **समीक्षा लेखन** प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में उपस्थित रहें। अत: महाविद्यालय का हिंदी विभाग आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हैं।

धन्यवादसहित ।

भवदीय,

(डॉ. ए. एस. महात)
विभाग प्रमुख
हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

(डॉ.आर. आर. कुंभार)
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

E:Hindi dept\2223\small leter.

Scanned with OKEN Scanner

समीक्षा लेखन प्रतियोगिता

विवेकानंद कॉलेज के हिंदी विभाग की ओर से हिंदी सप्ताह के दौरान दि. 18 सितंबर, 2025 को आयोजित समीक्षा प्रतियोगिता लेते हुए हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. दीपक तुपे.

विवेकानंद कॉलेज के हिंदी विभाग की ओर से हिंदी सप्ताह के दौरान दि. 16 सितंबर, 2025 को आयोजित समीक्षा प्रतियोगिता देते हुए हिंदी विभाग के छात्र एवं छात्राएँ.

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

Scanned with OKEN Scanner

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार"
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2025- 26

दि. 18 / 09 / 2025

प्रतियोगिता का नामः समीक्षा लेखन प्रतियोगिता उपस्थिति पत्र

अनु. क्र.	प्रतिभागी का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1.	मेहेक इमरान मुल्लाणी	B.A.II	M.mullani
2.	नाजिया राकेश नदाफ	B.A.II	Nadaf
3.	~~आफताब अब्दुलगणी पटेल~~	B.A.II	Patel
4.	स्वाती दिपक हिंगोले	B.A.I	S.hingole
5.	आफताब अब्दुलगणी पटेल	B.A.II	Patel
6.	चैतन्य उमाकांत मछले	B.A.III	C.V.Machhale
7.	कुणाल पंडित कांबळे	B.A.I	KPS
8.	सानिका सातगोंडा पाटील	B.A.I	Patil S.S.
9.	जिनत फारुख शेख	B.Com I	[signature]
10.	रिफा झहिर अब्बास मुल्ला	B.A.I	B.mulla
11.	सिफा झहिरअब्बास मुल्ला	B.A.I	Smulla
12.	वैष्णवी विक्रम ढेंगरे	B.A.III	Vaishnavi
13.	प्रतिभा प्रदीप कदम	B.A.I	Kadam P.P.
14.	तृप्ती मानाजी सावंत	B.Sc CS III	T.m.savant
15.	अस्मिता कुमार सालोखे	B.A.I	A.Salokhe
16.	अनिशा दीपक सावंत	B.A.I	A.D.Savant

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

[signature]
डॉ. दीपक तुपे

[signature]
डॉ. आरिफ महात

Scanned with OKEN Scanner

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापुजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर संचलित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2025–26

प्रतियोगिता का नामः समीक्षा लेखन प्रतियोगिता अंकतालिका दि.18 / 09 / 2025

अ.क्र.	प्रतिभागी का नाम	विषय की प्रस्तुति अंक 15	भाषा अंक 15	वर्तनी अंक 10	समापन अंक 10	कुल अंक 50
1.	नाजिया राकेश नदाफ	15	14	9	9	47
2.	महेक इमरान मुल्लाणी	14	14	9	9	46
3.	स्वाती दिपक हिंगोले	13	13	8	9	43
4.	आफताब अब्दुलगणी पटेल	12	12	9	9	42
5.	चैतन्य उमाकांत महाले	11	12	9	8	40
6.	कुणाल पंडीत कोबळे	12	12	8	8	40
7.	सानिका सातगोंडा पाटील	09	09	10	8	36
8.	जिनात फारुख शेख	12	8	9	10	39
9.	रिफा झाहिर अब्बास मुल्ला	10	10	8	9	37
10.	सिफा झाहिर अब्बास मुल्ला	11	11	9	8	39
11.	वैष्णवी विक्रम ढेंगरे	9	9	7	7	32
12.	प्रतिभा प्रदीप कदम	9	7	6	6	28
13.	तृप्ती मानाजी सावंत	8	9	5	4	26
14.	अस्मिता कुमार आलासे	9	10	4	5	28
15.	अनिशा दिपक सावंत	10	11	7	7	35

परीक्षक का नामः प्रा. विश्वंभर कुलकर्णी

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

हस्ताक्षरः

Scanned with OKEN Scanner

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार"

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त संस्था)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2025- 26

दि. 18 / 09 / 2025

प्रतियोगिता का नामः समीक्षा लेखन प्रतियोगिता अंकतालिका

	अ.क्र.	प्रतिभागी का नाम	विषय की प्रस्तुति अंक 15	भाषा अंक 15	वर्तनी अंक 10	समापन अंक 10	कुल अंक 50
I	1.	नाजिया राकेश नदाफ	14	12	08	08	42
II	2.	मेहेक इमरान मुल्लाणी	12	10	07	08	37
III	3.	स्वाली दिपक हिंगोले	08	07	04	04	23
	4.	आफताब अब्दुलगणी पटेल	06	05	04	03	18
	5.	चैतन्य उमाकांत मछले	05	04	04	02	15
	6.	कुणाल पंडीत कांबळे	04	03	03	02	12
	7.	मानिका सातगोंडा पाटील	05	06	06	05	22
	8.	जिनत फारुख शेख	04	03	05	06	18
	9.	रिफा झाहिरअब्बास मुल्ला	5	4	6	5	20
	10.	सिफा झाहिरअब्बास मुल्ला	5	5	4	5	19
	11.	वैष्णवी विक्रम ढेंगरे	6	4	6	4	20
	12.	प्रतिभा प्रदिप कदम	6	5	6	5	22
	13.	तृप्ती माणाजी सावंत	5	6	5	6	22
	14.	अस्मिता कुमार आलासे	3	4	6	5	18
	15.	आलिशा दिपक सावंत	5	5	6	5	21

[प्रा. सौ. वेदांते एस. पी.]

परीक्षक का नामः

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

हस्ताक्षरः Svedante 23/09/25

Scanned with OKEN Scanner

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापुजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर संचलित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

ज्युनियर हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2025 – 26

संकलित अंकतालिका

प्रतियोगिता का नामः समीक्षा लेखन प्रतियोगिता

दि.18 / 09 / 2025

अ.क्र.	प्रतिभागी का नाम	परीक्षक 1	परीक्षक 2	कुल अंक
1.	नाजिया राकेश नदाफ	47	42	89
2.	महेक इमरान मुलाणी	46	37	83
3.	स्वाती दिपक हिंगोले	43	23	66
4.	आफताब अब्दुलगणी पटेल	42	18	60
5.	चैतन्य उमाकांत मस्के	40	15	45
6.	कुणाल पंडित कांबळे	40	12	52
7.	सानिका सातगोंडा पाटील	36	22	58
8.	जिनत फारुख शेख	39	18	57
9.	रिफा झहिरअब्बास मुल्ला	37	20	57
10.	सिफा झहिरअब्बास मुल्ला	39	19	58
11.	वैष्णवी विक्रम ढेंगरे	32	20	52
12.	प्रतिभा प्रदीप कदम	28	22	50
13.	तृप्ती मानाजी सावंत	26	22	48
14.	अस्मिता कुमार अलासे	28	18	46
15.	अनिषा दिपक सावंत	35	21	56

1. प्रथम क्रमांकः नाजिया राकेश नदाफ
2. दवितीय क्रमांकः महेक इमरान मुल्लाणी
3. तृतीय क्रमांकः स्वाती दिपक हिंगोले
4. उत्तेजनार्थ 1: आफताब अब्दुलगणी पटेल
5. उत्तेजनार्थ 2: —

परीक्षक प्रा. विश्वंभर कुलकर्णी

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

परीक्षक (प्रा. विश्वंभर कुलकर्णी)

Scanned with OKEN Scanner

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार"

- शिक्षणमहर्षी डॉ.बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष - 2025 - 26

दि. 18/09/2025

समीक्षा लेखन प्रतियोगिता रिपोर्ट

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर के (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त) के हिंदी विभाग की ओर से 18 सितंबर, 2025 को आयोजित हिंदी सप्ताह के दौरान समीक्षा लेखन प्रतियोगिता कक्षा क्रमांक 213 में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत पुस्तक समीक्षा, खेल समीक्षा, नाट्य समीक्षा, फिल्म समीक्षा आदि समीक्षा लेखन प्रतियोगिताएँ संपन्न हो गई। इसमें छात्रों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता का परीक्षन ज्युनियर हिंदी विभाग के अध्यक्ष विश्वंभर कुलकर्णी और ज्युनियर हिंदी विभाग की प्राध्यापिका एस. पी. वेदांते ने किया। इस प्रतियोगिता में बी. ए. भाग दो की छात्रा नाजिया राकेश नदाफ प्रथम क्रमांक पर रहीं तो तो बी.ए. भाग दो की छात्रा महेक इमरान मुलाणी दूसरे क्रमांक पर रहीं। बी.ए. भाग दो की छात्रा स्वाती दीपक हिंगोले तीसरे क्रमांक पर और बी.ए. भाग दो का छात्र अलताफ अब्दुलगणी पटेल उत्तेजनार्थ क्रमांक पर रहा। इस प्रतियोगिता में बी.ए., बी. कॉम., स्नातकोत्तर अनुवाद पदविका के छात्र शामिल थे। कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. आर. कुंभार जी के मार्गदर्शन में हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ.आरिफ महात और हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. दीपक तुपे ने किया।

Tupe
डॉ. दीपक तुपे

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

Tupe
for विभाग प्रमुख
हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

Scanned with OKEN Scanner

STUDENT'S NAME		TOTAL MARKS OBTAINED
CLASS	SUBJECT	
ROLL NO.	DATE	

- नाम : नाजिया शकेश नदाफ
- कक्षा : बी.ए. भाग - 2
- मो.न : 9579243421

पुस्तक समीक्षा :- गोदान

- उपन्यास का नाम : गोदान
- उपन्यासकार : मुंशी प्रेमचंद (धनपतराय)
- पृष्ठ : 280.
- किमत : 200 rs.

लेखक परिचय : 'गोदान' उपन्यास के लेखक मुंशी प्रेमचंद जी हैं। उनका वास्तविक नाम- धनपतराय अजाएबराय श्रीवास्तव हैं। उनका जन्म 31 जुलाई 1880 में उत्तर-प्रदेश - बनारस के लमही गाँव में हुआ था। उनकी साहित्य-रचना में कुल 320 कहानियाँ और 14 उपन्यास शुमार हैं। मुंशी प्रेमचंद जी युग- प्रवर्तक लेखक थे। प्रेमचंद जीको 'उपन्यास - सम्राट' के रूप में जाना जाता हैं। उनके लेखन में शहरी, कस्बाई और ठेठ देहाती जीवन के सजीव चित्र मिलते हैं। उन्होंने अपनी कहानी और उपन्यासो द्वारा समाज मे एक अलग ही पहचान बनाई हैं। प्रेमचंद जी का संपूर्ण जीवन निर्धनता और कष्टों मे ही बीता था। मात्र 56 वर्ष की आयु में ज्ञाप्सी रोग से पीड़ित होकर 8- अक्टूबर 1936 मे इस महान लेखक का देहावसन हो गया था।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

गोदान :- मुंशी प्रेमचंद जी की प्रत्येक रचना भारतीय जन-जीवन का आईना है। परंन्तू 'गोदान' हिन्दी साहित्य की एक अमूल्य निधी हैं। गोदान उपन्यास को पढ़ते समय हमे ऐसा लगता हैं, मानो यह कहानी हमारी हो, अपने आस-पास की ही कहानी हो।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

Scanned with OKEN Scanner

STUDENT'S NAME		TOTAL MARKS OBTAINED
CLASS	SUBJECT	
ROLL NO.	DATE	

शायद यही कारण रहा की विश्व की लगभग प्रत्येक भाषा में ही इसका अनुवाद हुआ। प्रेमचंद जी ने अपनी रचनाओं में जहाँ समाज मे व्याप्त कु-रितीओं को आड़े हाथों लिया, उन पर करारा प्रहार किया, वहीं भारतीय जन-जीवन की अस्मिता को भी खोजा।

■ गोदान उपन्यास के मुख्य पात्र :-

१) होरी - मुख्य नायक।
२) धनिया - होरी की पत्नि।
३) गोबर, सोना, रूपा - होरी-धनिया की संताने।
४) हीरा और शोभा - होरी के भाई।
५) झुनिया - गोबर की पत्नि।
६) दातादीन - गाँव के ब्राम्हण पंडीत।
७) पटेश्वरीलाल - गाँव के साहूकार।

प्रस्तुत उपन्यास 'गोदान' में होरी और धनिया नामक एक कृषि-दम्पति के जीवन के बारे में बताया गया हैं। किसान का तो एक ही सपना होता हैं कि, उसके पास अपनी एक 'कामधेनू' गाय हो और वो उसकी बहुत अच्छे से सेवा करे और पुण्य कमाये। होरी भी एक ग्रामीण किसान हैं, उसकी भी यही अभिलाषा हैं। एक गाय की अभिलाषा से उपन्यास का आरंभ होता हैं। गोदान में भारतीय किसान का अद्भूत चित्रण हैं की वह कैसे अपने परिवार को पालने के लिए सेठ, साहूकारों और जमींदारों आदि के शोषण का शिकार होता हैं और अपनी पुरी जिंदगी कर्ज का बोज ढ़ोते-ढ़ोते आखीर में अपने प्राणों का त्याग कर देता हैं।

• उपन्यास में धनिया जैसी स्त्री पात्र मजबूत और संघर्षशील हैं, जो पुरूषों के कंधे से कंधा मिलाकर चलती हैं और अन्याय के खिलाफ आवाज भी उठाती हैं।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

Scanned with OKEN Scanner

STUDENT'S NAME		TOTAL MARKS OBTAINED
CLASS	SUBJECT	
ROLL NO.	DATE	

भारतीय किसान को कैसे अपनी छोटी- छोटी जरूरतों के लिए साहूकारों से ऋण (कर्ज) लेना पड़ता था और हमेशा उस कर्ज को चुकाने के लिए अपने संपूर्ण जीवन में मजदूरी करनी पड़ती हैं।

उपन्यास में प्रेमचंद जी ने बताया हैं, कि कैसे जमींदार, साहूकार, मील के मालिक, राजनेता आदी लोग अनपढ़ और नासमझ किसानों का कैसे शोषण करते हैं। इन जमींदारो और साहुकारों पर प्रेमचंद जी ने तीखे प्रहार किये हैं और यह बताया हैं की, एक किसान को पूरी जिंदगी इनके चक्कर लगाने में ही गुजारनी पड़ती हैं। आखीर में जब होरी एक गाय भी अपने जीवन में नही खरिद सका। उसकी गाय लेने की एक इच्छा पूर्ण नही हुई। होरी ने सारी जिंदगी कष्ट उठाए, अपने ही खेत में मजदूरी की, अपने धर्म का पालन किया और कभी भी होरी ने हार ना मानी। जीवन के आखरी क्षण तक वह काम करता रहा। प्रेमचंद जी ने गोदान उपन्यास के नायक होरी के माध्यम से भारत के हर एक किसान की व्यथा को चित्रीत करने का प्रयास किया हैं।

- होरी की गाथा के माध्यम से किसान के संघर्ष, मर्यादा की रक्षा और अंतत: उसके जीवन के त्याग को दर्शाया गया हैं।

- उपन्यास में साहूकारी प्रथा, ब्याजखोरी, समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और नारीओं की स्थिती जैसे विषयों को भी संवेदनशील तरिके से प्रस्तुत किया गया हैं।

- इसकी भाषा और विषयवस्तु आज भी प्रासंगिक हैं जो पाठकों को भारतीय समाज की कई वास्तविकताओं पर सोचने के लिए प्रेरीत करती हैं।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

Scanned with OKEN Scanner

STUDENT'S NAME		TOTAL MARKS OBTAINED
CLASS	SUBJECT	
ROLL NO.	DATE	

- 'गोदान' उपन्यास मुंशी प्रेमचंद जी की एक कालजयी रचना है। जिसमें ग्रामीण और शहरी जीवन की दो समांतर कथाओं के माध्यम से स्वतंत्रता पूर्व-भारत के किसानों के शोषण, गरिबी और सामाजिक रूढ़िओं का यथार्थवादी और मार्मिक चित्रण किया गया है।

- उपन्यास का अंत दुखद है, जो पाठको के मन में कई सवाल छोड़ जाता है और उन्हें समाज में बदलाव लाने के लिए प्रेरीत करता है।

- गोदान की भाषा सहज-सरल और ठेठ-देहाती है जो प्रभावशाली और आकर्षक है।

'गोदान' मुंशी प्रेमचंद की एक अमर कृति है, जिसने हिंदी साहित्य में अपना एक विशेष स्थान बनाया है। यह एक ऐसी रचना है जो पाठकों के मन में गहरी संवेदना भर देती है। और समाज के अन्याय के प्रति सोचने पर मजबूर कर देती है।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

Goodluck

Scanned with OKEN Scanner

महेक इमरान मुल्लाणी.
B.A.II.
8999094024

-फिल्म समीक्षा [सुपर 30]

हमारे देश मे हर किसी को सपना देखना, उंचे ख्वाब देखने का अधिकार है। कामयाबी मिलने के लिए मेहनत करनी पडती है तो हर किसी को मेहनत करनी है जिसे हमे कामयाबी मिले। ए.पी जी अब्दुल कलाम जो भारी हमारे राष्ट्रपती हुआ करते थे उन्होंने एक बात कही थी, जो युवाओं को जागृत करने का काम करती थी।

" सपने वो नहीं जो हम
सोते वक्त देखते हैं,
सपने वो हैं जो हमे
सोने नहीं देते।"

इससे हमे प्रेरणा मिलती है, और सपने पुरे करेना का हौसला। हर किसी को सपना देखना है और हर किसी को कामयाब बना है तभी भारत विकासित बनेगा

सुपर ३० फिलम के सह निर्माता अहमद खान निर्देशक :- विकास बहल है और इस फिलम की मुख्य भूमिका करने वाले :- ऋतिक रोशन, मृणाल ठाकुर, पंकज त्रिपाठी आदित्य श्रीवास्तव, अमित सध यह है।

गोबर कीचड़ और गटर के इर्दगिर्द रहने वाले साधनहीन और गरीबी की मार झेल रहे बच्चे सपना भी नहीं देख सकते हैं कि वे आईआईटी की प्रवेश परिक्षा मे सफल होकर एक अच्छा जीवन जी सकेंगे। ऐसे बच्चों को मुफ्त मे शिक्षित करने और उनके रहने, खाने-पीने का खर्चा एक इंसान उठाता है। इस इंसान के प्रति सम्मान तब और बढ जाता है जब यह पता चलता है कि वह खुद गरीबी की मार झेल रहा है।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

Scanned with OKEN Scanner

बिहार के रहने वाले आनंद कुमार ने यह अदभुत काम किया यह एक वास्तविक घटना है। इनके द्वारा तैयार किए गए बच्चे आज ऊंचे पदों तक पहुंचे। आनंद कुमार सही मायनों में सुपरहीरो हैं और यह बात साबित करते हैं कि सुपर हिरो बनने के लिए बेहतरीन लुक्स नही काम मायने रखता है।

गणितज्ञ आनंद कुमार के जीवन में घटी प्रमुख घटनाओं को पर आधारित फिलम सुपर 30 निर्देशक विकास बहल ने बनाई जो एक व्यक्ति के संघर्ष और जीत को दर्शाता है। 1997 के आसपास का फिलम मे समय दिखाया जाता है गणित में होशियार आनंद कुमार को कैम्ब्रिज युनिवर्सिटि में एडमिशन मिल जाता है. लेकिन आर्थिक तंगी के चलते यह सपना अधूरा ही रह जाता है। पिता की मृत्यू के बाद आनंद और उसके भाई पर मुसीबतों का पहाड टूट पड़ता है और वह पापड़ बेचने का काम करता है। इस दौरान एक कोचिंग इन्स्टीट्यूट चलाने वाले लल्लन आदित्य श्रीवास्तव की नजर आनंद पर पड़ती है। आनंद को वह अपने कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ाने की जॉब देता है और आनंद के पास खूब पैसा आने लगता है। एक दिन आनंद को महसूस होता है कि कोचिंग के नाम पर माफिया टाइप लोग सक्रिय है जिनके सिर पर राजनेताओं का भी हाथ है। प्रतिभावान और गरिब छात्र कोचिंग से वंचित हैं। वह इन बच्चों को मुफ्त में कोचिंग देने के लिए अपनी क्लास शुरू करता है जिससे एजुकेशन को बिजनेस बनाने वालों में खलबली मच जाती है। इसके बाद आनंद का संघर्ष और कठिन हो जाता है क्योंकि न केवल उसे धमकी मिलती है बल्कि हमला भी होता है। मगर वह किसी चीज से नही डरता।

उन बच्चों को शिक्षा देने लगता है जो उसके हकदार थे। मगर एजुकेशन जो बिजनेस बन चुका था। इसलिए जो बच्चे हुनर रखते हैं, मगर मजबुरी के कारण आगे बढ़ नही पाते अपने सपनो का गला घोट देते हैं। ऐसे बच्चों के लिए आनंद कुमार आवाज उठाते हैं मगर ये दुनिया सच्चो को जिने नही देती यह झुट/गलत का सहारा लेना

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

पढाता है यह एक पागलपंती है जो इस पागलपंती मे शामिल नही होगा वह मारा जायगा। हर कोई आनंद कुमार के रास्तो मे मुश्किल लाता है मगर फिर भी वह उन बच्चों को अच्छी तरह पढाते है आगे बढने का हौसला देते है। उन बच्चों को पढाते है। सब लोगों को परिक्षा देने भेजते है। मगर सब लोगों को यह लगता था की यह गरीब बच्चे कभी पास नही होगे हाय महाविद्यालय के बच्चों के सामने इन गरीबों की कुछ हेसियत नही ऐसे ही सब को लगता था।

वह बच्चे भी यही सोचते थे मगर आनंद कुमार जी ने उनकी सोच बदली। उनको एक नई उर्जा के साथ उनके काबील बनाकर उनकी सोच बदल देती है। वह बच्चे आनंद कुमार जी की हर एक बाद सुनकर कर कामयाबी का हर एक पडाव पार कर रहे थे। वह परिक्षा के लिए पुरी तरह तैयार थे मगर एक डर सा उनके चेहरे पर झलक रहा था। फिर भी वह बच्चे परिक्षा देने गए।

किसी ने सोचा भी नही था। की यह बच्चे भी कभी पास हो पायेगे। मगर जब नतीजा सामने आया तब सबके आखो मे आसु थमनेसे रहे। हर एक बच्चे को खुद पर विश्वास नही हो रहा था की हम पास हो गए है। मगर सब बच्चे अव्वल नंबर से पास हुए थे। सब बहोत खुश थे। हर कोई आनंद सर का शुकरिया अदा कर रहा था, जिसके काबील वो थे। आनंद कुमार जी के आँखो मे भी आँसू आ रहे थे की उनकी मेहनत रंग लाई। वो कहते है ना.....

"अगर किसी चीज को पुरी शिद्दत से चाहो तो पुरी कायनात तुमे उसे मिलाने लग जाती है"

आनंद कुमार जी ने एक अच्छा काम करने के लिए बहुत मेहनत की बहुत से मुश्किलात का सामना किया। तभी जाकर उनकी मेहनत रंग लाई। उन बच्चों का बडे से बडे अधिकारों के हाथ से सत्कार हुआ।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

Scanned with OKEN Scanner

हमे इस मुवी से यही सीख मिलती है की हमारी परिस्थिती जैसी भी हो हमे सपने देखने का पुरा हक है। और हमे उन सपनो को पुरा करने का भी पुरा हक है। हमे कभी किसी से कम नहीं समझना है। यही सीख हमे इस फिलम से मिलती है।

इस फिलम को मिले हुए रेटिंग :- ★★★★☆

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR
ESTD JUNE 1964
(Empowered Autonomous)

Scanned with OKEN Scanner